वित्त

संस्थान द्वारा वित्तीय प्रबंधन ढाँचे का विकेन्द्रीकरण कर दिया गया है तथा इस विकेन्द्रीकरण को धन के प्राथमिक श्रोत के माध्यम से व्यवस्थित किया गया है। वित्तीय वर्ष 2012–2013 में संस्थान के मुख्य खाता को प्रभावी तरीके से उपार्जित खाता में बदल दिया गया । हालाँकि अन्य लेखा इकाईयों ने वित्तीय वर्ष 2014–2015 तक नगदी (कैश) के आधार पर अपना कार्य करना जारी रखा । मानव संसाधन विकास मंत्रालय ख्संस्थान का प्रशासकीय मंत्रालय–देखें पत्र संख्या 29–4ध 2012– प्थ्क दिनांक 17 अप्रैल 2015, द्वारा अपेक्षा की गई कि वित्तीय वर्ष 2014–2015 का खाता बढ़ोतरी के आधार पर तैयार किया जाए । पत्र में आगे यह भी कहा गया कि गत वर्षों के विपरीत, संस्थान का एकीकृत खाता तैयार किया जाए एवं इसकी रिपोर्ट मंत्रालय को दी जाए । मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने अपने पत्र दिनांक 17 अप्रैल 2015 के माध्यम से खातों के स्वरूप एवं लेखा मानचित्र से संबंधित विस्तृत दिशा–निर्देश जारी किये थे।

वित्तीय वर्ष समाप्त होने के पश्चात सस्थान को उक्त दिशा–निर्देश प्राप्त हुए थे इसलिए संस्थान द्वारा संचालक मण्डल का यथोचित अनुमोदन प्राप्त करने के पश्चात इस कार्य को वित्तीय वर्ष 2015–2016 तक स्थगित कर दिया । वित्तीय वर्ष 2015–2016 के खाते जिनका अभी तक अंकेक्षण नहीं हुआ है उन्हें मानव संसाधन विकास मंत्रालय के दिनांक 17 अप्रैल 2015 के पत्र के अनुरूप ही तैयार किया गया है। इन खातों की एक प्रति 'एकीकृत एवं व्यक्तिगत खाते (गैर–अंकेक्षित)' नाम से उपलब्ध है जिसको अधोलिखित लिंक पर भी देखा जा सकता है।
http://www-iitk.ac.in/new/annual&accounts.

संस्थान के वित्तीय वर्ष 2015–2016 के गैर अंकेक्षित खातों की प्रमुख विशेषताएं ।

- आई आई टी की ब्रांड की कीमत निर्धारित किये बिना तुलन पत्र का विस्तार लगभग 300 करोड़ रूपये तक ।
- वर्तमान आय के साथ साथ लगभग 800 करोड़ रूपये का उतना ही वर्तमान व्यय । (कैश आधारित खातों को उपार्जित खातों में बदलने पर कुछ विशिष्ट मदों सहित)
- लगभग 5 करोड़ रूपये की वर्तमान प्रचालन राशि । यह राशि अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों, गेट एवं जेईई कार्यालयों तथा विजिटर हॉस्टल द्वारा सृजित अतिरिक्त आय के फलस्वरूप ही संभव हो सकी है।
- मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा स्वीकृत गैर–योजना तथा योजना के अंतर्गत (प्रत्येक में) 200 करोड़ रूपयों का पूर्ण रूप से उपभोग किया गया ।
- 31 मार्च 2016 तक मानव संसाधन विकास मंत्रालय से 120 करोड़ रूपये प्राप्त किये जाने थे जिसमें से 2 अप्रैल 2016 को 70.60 करोड़ रूपये ही प्राप्त हो सके हैं । इसमें से सैलरी, पेंशन, स्कालरशिप हेड के सापेक्ष 49.40 करोड़ रूपये की राशि प्राप्त करनी अभी शेष है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय के स्वीकृत बजट के सापेक्ष तुलनात्मक बजट की प्रतीक्षा की जा रही है।
- प्लान बजट द्वारा निधिबद्ध महत्वपूर्ण व्यय 139.30 करोड़ रूपये रहा । 1 करोड़ रूपये का अतिरिक्त व्यय संस्थान के परिचालन अधिशेष से उपलब्ध कराया गया ।

भारतीय ह्रौद्योगिकीसंस्थानकानपुर
31 मार्च 2016 कोसमाप्तवित्तीय वर्षकाआय–व्यय

राशि रूपये में.)

विवरण		वर्तमानवर्ष	विवरण
आय			
शैक्षणिक ह्राप्तियान्र		94,31,79,727	162,53,61,770
अनुदानध्आर्थिक मदद		296,29,80,411	222,21,84,000
निवेश से ह्राप्त आय		17,41,16,828	14,98,72,476
अर्जित ब्याज		1,51,86,734	1,06,84,451
अन्य आय		59,70,62,685	86,60,63,999
पूर्वअवधि की आय		4,95,30,917	3,51,076
विलंबितराजस्वआय		325,18,92,279	47,05
कुल ऽए२		799,39,49,581	534,50,80,867
व्यय			
कर्मचारियों का भुगतान एवं अन्य लाभ ऽस्थापना व्यय२		253,46,88,956	244,41,28,046
शैक्षणिक व्यय		136,55,29,132	114,26,52,041
ह्रशासनिक एवं अन्य व्यय		40,39,66,574	35,45,38,696
परिवहन व्यय		57,97,513	60,46,556
मरम्मत एवं रखरखाव		22,20,61,444	17,66,58,690
क्रिया लागत		2,52,74,152	46,285
अवमूल्यन		335,21,43,961	47,05,63,095
अन्य व्यय		3,57,06,748	3,31,82,016
पूर्व अवधि के व्यय		12,64,408	2,35,856
कुल ब्बी२		794,64,32,888	462,80,51,281
व्यय पर आय का आधिक्य ऽए–बी२		4,75,16,693	71,70,29,586
अग्रिम के सापेक्ष उपभोग		0	1,01,21,332
अधिशेषध्घाटा२ को पूंजी निधि में अग्रसारित किया गया		4,75,16,693	70,69,08,254